



पौधों और जानवरों की नई प्रजातियों की खोज

प्रलिस के लिये:

[भारतीय प्राणी सर्वेक्षण](#), [भारतीय वनस्पतिसर्वेक्षण](#), हिमालयन आइबेक्स, मनिओप्टेरस शरीनी, [पश्चिमी घाट](#)

मेन्स के लिये:

भारत की जीव-जंतु और पुष्प विविधता, पर्यावरण संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और क्षरण

[स्रोत: द हट्टि](#)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में वर्ष 2023 में, भारत ने अपने प्राणजित और वनस्पतियों के डेटाबेस में कई जानवरों तथा पौधों की प्रजातियों को जोड़ने के साथ [जैवविविधता](#) ज्ञान में महत्त्वपूर्ण प्रगति देखी।

- नवंबरों को दो प्रकाशनों में संकलित किया गया: [भारतीय प्राणी सर्वेक्षण](#) (Zoological Survey of India- ZSI) द्वारा "एनमिल डिस्कवरीज 2023" और [भारतीय वनस्पतिसर्वेक्षण](#) (Botanical Survey of India- BSI) द्वारा "प्लांट डिस्कवरीज 2023"।

नोट:

- भारत एक महाविविधता वाला राष्ट्र है, जहाँ विश्व की लगभग 7-8% प्रलेखित प्रजातियाँ पाई जाती हैं तथा विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त 34 [जैवविविधता हॉटस्पॉट](#) में से 4 यहाँ पाए जाते हैं।

भारत के प्राणजित और पुष्प डेटाबेस में प्रमुख जोड़ क्या हैं?

- प्राणजित संबंधी खोजें:
 - भारत ने वर्ष 2023 में प्राणजित के डेटाबेस में 641 नई प्रजातियाँ शामिल की, जिनमें 442 पूरी तरह से नई प्रजातियाँ और 199 प्रजातियाँ शामिल हैं जिनमें देश में हाल ही में दर्ज किया गया है।



■ महत्त्वपूर्ण एनमिल खोजों में शामिल हैं:

- **कैप्रा हिमालयेंसिस (Capra Himalayensis)**, जो यह साबति करता है कि जम्मू और कश्मीर, लद्दाख तथा हिमाचल प्रदेश की ट्रांस-हिमालयी श्रेणियों में वितरित **हिमालयन Ibex**, **साइबेरियाई Ibex** से एक अलग प्रजाति है।
- कर्नाटक के कोडागु ज़िले में मुड़े हुए पंख वाले चमगादड़ की एक नई प्रजाति **मिनीओप्टेरस श्रीनी (Miniopterus Srinii)** भी पाई गई।
- सबसे अधिक संख्या में **जंतुओं की खोज केरल** में हुई, जिसमें **74 नई प्रजातियाँ** और **27 नए रिकॉर्ड** शामिल हैं। इसके बाद पश्चिमि बंगाल (72 नई प्रजातियाँ) और तमलिनाडु (64) का स्थान रहा।
- 564 नई प्रजातियों के साथ, नए जीवों/प्राणजित की खोज में **अधिकांश प्रजातियाँ अकशेरुकी (Invertebrates)** थीं, जबकि 77 प्रजातियाँ कशेरुकी (Vertebrates) थीं।
 - **अकशेरुकी** जीवों में सबसे बड़ा समूह कीटों (369 प्रजातियाँ) का था और कशेरुकियों में मछली (47 प्रजातियाँ) का रहा।
 - इसके बाद **सरीसृप, उभयचर, स्तनी वर्ग** और सबसे कम **एवीज़** पाए गए।

INDIA'S 5TH BENT-WINGED SPECIES



● New species, a bent-winged bat, named *Miniopetrus Srinii Srinii*

● Species named after C Srinivasulu, renowned bat biologist at OU

● Species discovered by OU's Dr Bhargavi Srinivasulu & her son Aditya from University of Reading, UK

● New species morphologically resembles known species but differs from it genetically

● Earlier, 4 species of bent-winged bats were known to be in India

● With this discovery, number has increased to 5

नोट:

- **कशेरुकी:** इस श्रेणी में रीढ़ की अस्थि, अच्छी तरह से विकसित आंतरिक अस्थियों का ढाँचा, मस्तिष्क के साथ सरि, द्विपक्षीय समरूपता तथा जटिल आंतरिक अंगों वाले जीव-जंतु शामिल हैं। उदाहरण: **सूतनधारी, पक्षी, सरीसृप।**
- **अकशेरुकी:** इस श्रेणी में रीढ़ की अस्थि के बिना जीव-जंतुओं में सामान्यतः एक **बाह्य कंकाल (Exoskeleton)** या **नरम शरीर** होता है जिसमें भिन्न-भिन्न शारीरिक संरचना तथा सरल आंतरिक अंग प्रणालियाँ होती हैं। उदाहरण: **कीड़े, कृमि, जेलीफिश।**
- **वनस्पतजित खोजें:** वर्ष 2023 में भारत ने अपने वनस्पतजित/पादप (Floral) डेटाबेस में **339 टैक्सा** शामिल किये, जिनमें **326 प्रजातियाँ** और **13 इन्फ्रास्पेसिफिक टैक्सा** शामिल हैं। इनमें से **171 नए टैक्सा** और देश के अंदर नए वितरण रिकॉर्ड के रूप में **168 टैक्सा** शामिल हैं।
 - टैक्सा (Taxa) का अभिप्राय **पादप की उप-प्रजातियाँ कस्मि** से है।
 - **पश्चिम बंगाल** (52 नए टैक्सा) में सबसे ज़्यादा नए पादप की खोज दर्ज की गई, उसके बाद **केरल** और **उत्तराखंड** का स्थान है।
 - खोज में **106 एंजियोस्पर्म, 2 टेरडोफाइट्स, 16 ब्रायोफाइट्स, 44 लाइकेन, 111 कवक, 50 शैवाल** और **10 सूक्ष्मजीव** शामिल हैं।
 - नई खोजों में कई संभावित **बागवानी, कृषि, औषधीय** और **सजावटी पौधों** की **वन्य प्रजातियाँ** जैसे **बेगोनिया, इंपेटेंस, फलियाँ, ज़िजीबर** तथा **ऑर्कडि** शामिल हैं।
- **कुल खोजों में पश्चिमी घाट और उत्तर पूर्वी क्षेत्र का योगदान 14% रहा।**

Curcuma kakchingense



Context:

Three researchers in Manipur recently discovered a new flowering plant species and have named the new species *Curcuma kakchingense*.

About *Curcuma kakchingense*:

- It is a new flowering plant species discovered in Manipur.
- It is a member of the angiospermic family Zingiberaceae, which includes well-known plants like *Curcuma* (turmeric), gingers, and cardamom.
- It is a robust plant, as tall as eight feet, having large terminal inflorescence.
- It was found thriving along the banks of the Sekmai River in the Kakching District of Manipur.
- It bears a striking resemblance to *Curcuma longa*, known locally as "Yaingung," and *Curcuma phrayawan*, a species from Thailand, but is distinguished by having lemon-yellow rhizomes with a very bitter taste.
- It has been classified as "Data Deficient" (DD) under the IUCN Red List category.

Importance of *Curcuma* plants:

- Several *Curcuma* species, including the turmeric (*Curcuma longa*) are important for their use in cuisines, traditional medicines, spices, dyes, perfumes, cosmetics, and as ornamental plants.
- Curcumin and several curcuminoids found in curcuma species are nontoxic polyphenolic compounds that have biological activities.
- The essential oil of curcuma species possesses a wide variety of pharmacological properties, including anti-inflammatory, anti-cancerous, anti-diabetic, anti-hepatotoxic, anti-diarrheal, carminative, diuretic, anti-rheumatic, hypotensive, anti-oxidant, anti-microbial, anti-viral, insecticidal, etc.



■ नए पौधों की खोज:

- [\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]\[?\] \[?\]\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]](#), हल्दी की एक नई प्रजाति है जो मणिपुर के काकचिंग में पाई जाती है।
- [\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]\[?\] \[?\]\[?\]\[?\]\[?\]](#), पश्चिम बंगाल के हावड़ा स्थिति आचार्य जगदीश चंद्र बोस भारतीय वनस्पति उद्यान में खोजा गया

एक [?] [?] [?] [?] [?] [?] [?] है।



पशु वर्गीकरण शिखर सम्मेलन-2024

- भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (ZSI) ने संस्थान की 109वीं वर्षगांठ के अवसर पर 30 जून से 3 जुलाई 2024 तक कोलकाता में पशु वर्गीकरण शिखर सम्मेलन, 2024 का आयोजन किया गया।
- इस शिखर सम्मेलन में चार देशों के लगभग 350 प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें लंदन के प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय के प्रतिष्ठित प्रतिभागी भी शामिल थे।
- तीन दैवीय कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने तीन व्यापक विषयों पर गहन चर्चा की:
 - वर्गीकरण, प्रणाली विज्ञान एवं विकास
 - पारिस्थितिकी एवं पशु व्यवहार
 - जैवविविधता एवं संरक्षण
- शिखर सम्मेलन के विचार-विमर्श का उद्देश्य इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों की समझ और अनुप्रयोग को आगे बढ़ाना था।
- "फौना ऑफ इंडिया चेकलिस्ट पोर्टल" का शुभारंभ:
 - इस शिखर सम्मेलन में इसे भारत में सभी पशु प्रजातियों का दस्तावेज़ीकरण करने वाले अपनी तरह के पहले वैश्विक पोर्टल के रूप में लॉन्च किया गया।
 - 'फौना ऑफ इंडिया चेकलिस्ट पोर्टल' अपनी तरह का पहला संपूर्ण जाँच सूची है जिसमें पूरे भारत में पाए जाने वाले 36 फइला एवं 1,04,561 पशु प्रजातियों को कवर करने वाली 121 जानकारियाँ शामिल हैं।
 - इसमें स्थानिक, संकटग्रस्त और अनुसूचित प्रजातियों की जानकारी शामिल है जो वैश्विक जैवविविधता का 6.6% हिससा है।

भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (Zoological Survey of India-ZSI)

- ZSI भी MoEFCC का एक अधीनस्थ संगठन है और इसकी स्थापना वर्ष 1916 में देश की असाधारण समृद्ध जैवविविधता पर ज्ञान के विकास के लिये अग्रणी संसाधनों के सर्वेक्षण एवं अन्वेषण के लिये एक राष्ट्रीय केंद्र के रूप में की गई थी।
- ZSI का मुख्यालय कोलकाता में है तथा देश के विभिन्न भौगोलिक स्थानों पर 16 क्षेत्रीय स्टेशन स्थित हैं।

भारतीय वनस्पतिसर्वेक्षण

- यह देश के जंगली पादप संसाधनों का वर्गीकरण एवं पुष्प संबंधी अध्ययन करने के लिये [पर्यावरण और वन मंत्रालय \(MoEFCC\)](#) के अंतर्गत शीर्ष अनुसंधान संगठन है। इसकी स्थापना वर्ष 1890 में की गई थी।
- इसके नौ क्षेत्रीय मंडल देश के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित हैं। हालाँकि इसका मुख्यालय पश्चिम बंगाल के कोलकाता में है।

और पढ़ें: [भारत के जीव-जंतु और पादप डेटाबेस का वसितार](#)

दृष्टि मैनस प्रश्न:

प्रश्न: जैवविविधता के लिये विभिन्न खतरों पर चर्चा कीजिये और भारत में जैवविविधता संरक्षण को बढ़ावा देने में अंतरराष्ट्रीय समझौतों तथा राष्ट्रीय नीतियों की भूमिका की जाँच कीजिये।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न:

प्रश्न. हाल ही में हमारे वैज्ञानिकों ने केले के पौधे की एक नई और भिन्न जात की खोज की है जिसकी ऊँचाई लगभग 11 मीटर तक जाती है तथा उसके फल का गूदा नारंगी रंग का है। यह भारत के किस भाग में खोजी गई है? (2016)

- (a) अंडमान द्वीप
- (b) अन्नामलाई वन
- (c) मैकल पहाड़ियाँ
- (d) पूर्वोत्तर उष्णकटिबंधीय वर्षावन

उत्तर: (a)

प्रश्न. जैवविविधता नमिनलखिति तरीकों से मानव असतत्त्व के लिये आधार बनाती है: (वर्ष 2011)

1. मृदा का निर्माण
2. मृदा क्षरण की रोकथाम
3. अपशष्टि का पुनर्चक्रण
4. फसलों का परागण

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिये:

- (a) केवल 1, 2 और 3
- (b) केवल 2, 3 और 4
- (c) केवल 1 और 4
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (d)

प्रश्न:

प्रश्न. भारत में जैवविविधता किस प्रकार भिन्न है? जैवविविधता अधिनियम, 2002 वनस्पतियों और जीवों के संरक्षण में किस प्रकार सहायक है? (2018)